केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ७ मार्च, २०१० को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - १

जनवरी, २०१० समय : सुबह ९.०० से ११.१५ कुल गुणांक : ७५

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत कीजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

	दिनांक	महीना	वर्ष
परीक्षार्थी का जन्म दिन	☐☐	☐☐	☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास ....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर ....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	
विभाग-२, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१३ (१०)	
विभाग-३, कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर

....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . .

ચેકર - નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

५. मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

६. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

७. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी ।

८. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

विभाग - १ : सहजानन्द चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''सबके पास से थोड़ा थोड़ा भिक्षा के रूप में माँग लो ।''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

....

२. ''इस काम में मेरी सम्मति की क्या आवश्यकता है ?''

३. ''इसलिए वर्णाश्रम का अभिमान कभी नहीं करना चाहिए ।''

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. महाराज ने सब निम्न स्तर की जातियों का उद्धार करने का निश्चय किया ।

....

....

....

....

२. रामचन्द्र सेठ ने पत्थर को हाथ से छुआ ।

३. महाराजने मुक्तानंद स्वामी को वड़ोदरा भेजा ।

प्र. ३ 'जेतलपुर में हिंसामुक्त यज्ञ' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (५)

१. महाराज गृहस्थ को कौन से पंच पदार्थ के त्याग का नियम देते थे ?

....

....

२. महाराज ने शिक्षापत्री में कौन कौन से विषयों के निर्णय लिखें ?

३. दादा खाचर ने बैठक पर क्या देखा ?

४. महाराज पण्डिताई की अपेक्षा किसको विशेष महत्त्व देते थे ?

५. छाणी में मन्दिर होने से हरिजनों को क्या अधिकार मिला ?

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. मूलजी सेठ की रक्षा ।

(१) ☐ मेरे पाँव छूकर प्रतिज्ञा करो । (२) ☐ मूलजी सेठ खोलड़ियाद में चले गए ।

(३) ☐ बीस दिन के भीतर घर बेचकर चले जाना । (४) ☐ स्वामी तीन दिन मेमका रहे ।

२. हमारा जड़भरत ।

(१) ☐ कम्बल मोटा और खुदरा । (२) ☐ स्वामी ने कम्बली माँगी ।

(३) ☐ गुणातीतानन्द जड़भरत जैसे हैं । (४) ☐ निर्गुणानन्द को कम्बल दो ।

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (४)

१. .... गाँव में महाराजने घोड़ी का स्वभाव छुड़वाया ।

२. राईबाईने संतों के .... के वर्तमान से मुक्त करवाने को महाराज से कहा ।

३. महाराज ने अपने प्रकट होने के हेतु .... स्वामी को समझाये ।

४. अहमदाबाद में कलेक्टर के रूप में .... को नियुक्त किया ।

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - २

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (९)

१. ''रोटला (मोटी रोटी) तैयार रखना, लड्डू मत बनाना ।''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

....

२. ''हम पहले पृथ्वी लोक में कभी नहीं आये और अब स्वयं साक्षात् आयेंगे भी नहीं ।''

३. ''यह सूर्य है, इसे यदि लोग सूर्य कहें क्या तभी यह सूर्य है ? नहीं तो सूर्य नहीं ?''

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (४)

१. सभी हरिभक्तों ने आचार्य की क्षमा माँगी ।

....

....

....

....

२. विद्यालय के आचार्य ने लडके को (अपनी) सेवा में रख लिया ।

प्र. ९ ‘शुद्ध उपासना के प्रवर्तन में जागा भक्त का योगदान’ – **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए। (वर्णनात्मक)** **(५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (४)

१. आचार्य अयोध्याप्रसादजी महाराज का जन्म कब हुआ था ? (तिथि, संवत्)

....

....

२. निजबोधानन्द महाराज की आज्ञा से क्या सीखे ?

३. वसो के गिरधरभाई ने महाराज को क्या कहा ?

४. दिनमणि के माता-पिता का नाम क्या था ?

प्र.११ निम्नलिखित विषय और सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (६)

विषय : भक्तराज लाडुबा ।

१. वह श्रीजीमहाराज के साथ प्रेमलक्षणा भक्ति से जूड़ी हुई थी । **२.** वह श्रीजीमहाराज के साथ दासत्वभक्ति से युक्त थी । **३.** उनको श्रीजीमहाराज ने शुक्ल पक्ष के उत्सवों की व्यवस्था करने को कहा । **४.** उन्होंने भैंस की देखभाल घर में रखकर प्रारम्भ की । **५.** श्रीजीमहाराज ने उनको गोपीनाथजी की मूर्ति के दर्शन करके भोजन करने को कहा । **६.** उत्सव के समय में श्रीजीमहाराज के परम प्रिय सन्तों-हरिभक्तों की सेवा करती थी । **७.** श्रीजीमहाराज ने उनको शास्त्र में जो लिखा है वह सत्य है ऐसा अनुभव करवाया । **८.** उन्होंने नया लिहाफ (गुदडियाँ) श्रीजीमहाराज की सेवा में दिए । **९.** उनका विवाह बोटाद के तेजा धाधल के साथ हुआ था । **१०.** उन्होंने ‘माणकीए चढ्या रे मोहन वनमाली.....’ कीर्तन की रचना की । **११.** उन्होंने तीस हरिभक्तों के साथ महाराज को जीमने के लिए बुलाया । **१२.** वे मंदिर में रहकर कीर्तनभक्ति करने लगी ।

केवल सही क्रमांक : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

यथार्थ घटनाक्रम : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

सूचना : सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : विद्यावारिधि सद्‌गुरु श्री नित्यानन्द स्वामी : सन् १८७२ में मार्गशीर्ष शुक्ला नवमी की रात को नित्यानन्द स्वामी ने अहमदाबाद में आचार्यश्री अयोध्याप्रसादजी महाराज, गुणातीतानन्द स्वामी, परमचैत्यानन्द स्वामी, कृपानन्दजी के दर्शन करते – करते कारण देह का त्याग किया ।

उत्तर : विद्यावारिधि सद्‌गुरु श्री नित्यानन्द स्वामी : सवंत १९०८ मार्गशीर्ष शुक्ला **अष्टमी** के **दिन** नित्यानन्द स्वामी ने आचार्यश्री **रघुवीरजी महाराज**, **गोपालानन्द स्वामी**, **शुकमुनि**, **शून्यातीतानंदजी** आदि सन्तों के **देखते – देखते** उन्होंने अपनी **नश्वर** देह **वरताल** में छोड़ दी ।

१. **प्रेमसखी प्रेमानन्द स्वामी :** प्रेमानन्द स्वामी संध्या आरती के पश्चात् प्रतिदिन वासुदेवनारायण की मूर्ति के सामने ध्यान–मानसी करते और शयन आरती तक स्वामी को रिझाते ।

उ. ....

....

२. **श्री कृष्णजी अदा :** निर्गुणदासजी ने भगवत्‌स्वरूपदासजी, गोपीनाथदासजी और अन्य नौ संतों को गोंडल आने की प्रेरणा दी, महुवा से भगतजी महाराज को बुलवाया ।

३. **भक्तराज दादाखाचर :** जसदण के राजा गोपीनाथजी की महिमा से अनभिज्ञ थे । जीवाखाचर के घर की यह करतूत सुनकर स्तब्ध रह गए । उन्होंने जीवाखाचर को अपने गाँव में बुलाकर फटकारने को सोच लिया ।

४. **श्री अयोध्याप्रसादजी महाराज :** सहजानन्द स्वामी के भतीजे और गद्दी के उत्तराधिकारी श्री वासुदेवप्रसादजी पांडे का अन्त:करण स्वामी की बातों में रंग गया । संसारी जीवन से रुचि हटाई और मन्दिर में आने लगे ।

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० वाक्यों में पंक्ति लिखिए । (१०)

१. जीवनपथ के मार्गदीपक – शास्त्रो । (स्वामिनारायण प्रकाश – जनवरी– २००९ से नवम्बर – २००९)
२. मंगलमूर्ति श्रीहरि । (स्वामिनारायण प्रकाश – एप्रिल – २००८)
३. मानसिक खींचाव और सही अभिगम । (स्वामिनारायण प्रकाश – मे २००८)

(   ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

* * *